

SELCO

B.A. PART-I.

UNIT-III

16.04.2020

HISTORY.

DR. UDAY KUMAR

DR. L.K.V.D. college Tojpur.

Geographical discoveries.



भौगोलिक खोज

PART

I
B.



Impact / Effect. (परिणाम)

→ भौगोलिक खोज के परिणाम :

यूरोप के साथ-साथ पूरे विश्व परिदृश्य पर भौगोलिक खोज का एक विस्तृत परिणाम उभरकर सामने आया, जो निम्न रूप में हम देख सकते हैं:-



Date : _____

3) व्यापार-वाणिज्य का विकास :-

पुनर्जागरण और वैज्ञानिक स्वयंसेवा जैसे - दिशा सूचक यंत्र, खड़े - जहाज आदि के कारण व्यापार-वाणिज्य का विकास तीव्र गति मिली,

→ मुद्रा - व्यवस्था का विकास :-

व्यापार-वाणिज्य की गति प्रदान के लिए मुद्रा का प्रचलन काफी तीव्र गति से हुआ

→ नई व्यापारिक शक्तियों का विकास :-

नवीन राष्ट्रों की स्वयंसेवा जैसे अमेरीका, भारत, अस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि स्वयंसेवा ने व्यापारिक शक्तियों का विकास हुआ।

→ व्यापारिक नगरों का उदय :-

व्यापार का उदय के कारण ग्रामीण लोग नगरों की ओर पालन करने लगे तथा नवीन नगरों का उदय होना शुरू हो गया।



Date : _____

→ नई व्यापारिक शक्तियों का उदय :-
गौरीगलिह श्वेज के धरा व्यापार
का विफल हुआ। व्यापार की प्रतिस्पर्धी
में नई व्यापारिक शक्तियों का उदय
हुआ। जैसे - पुर्नगल, स्पेन आदि।

→ बैंकिंग व्यवस्था का विकास :-

व्यापार - वाणिज्य को सुलभ
बनाने के लिए आर्थिक संचालन के
लिए बैंकिंग - व्यवस्था का विकास
किया गया।

→ लघुमूल्य धातुओं का आयात :-

कल - कारखानों में नई पदार्थ
ओं के लिए कम कच्चे धातुओं
का आयात बड़े पैमाने पर किया
जाने लगा।

→ वाणिज्यवाद का विकास :-

वाणिज्य व्यवस्था के लिए
वाणिज्यवादी व्यवस्था का प्रचलन
बढ़ गया। आर्थिक व्यवस्था में
इसका प्रचलन बढ़ गया।



Date : _____

→ उपनिवेशवाद का विकास :-

व्यापार करने के लिए उपनिवेशों की स्थापना करना जरूरी हो गया। उत्पादित सामानों के बिक्री के लिए उपनिवेश की स्थापना पर जोर दिया जाने लगा।

→ ईसाई धर्म तथा पश्चिमी सभ्यता का प्रसार :

चूंकि भौगोलिक स्वाम्य पश्चिम देशों में तेजी से हुआ। वहाँ पर ईसाई धर्म का बोलबाला था। भले पूरे विश्व में ईसाई धर्म व पश्चिम सभ्यता का प्रचार हुआ।

→ दास-व्यापार -

कारखानों में काम करने के लिए कामगारों की जरूरत थी और इसके लिए दास-व्यापार का प्रचलन काफी बढ़ गया।

→ व्यापारिक - माल के रूप में परिवर्तन →

कुछ माल को आयात करके



Date : _____

तैयार करके उले बाजारों में
उपलब्ध कराया गया। इस
तरह से व्यापारिक माल के
स्वल्प में परिवर्तन आया।

→ भौगोलिक ज्ञान में वृद्धि:-

जैसे-जैसे पूरे विश्व में
व्यापार-वाणिज्य का विकास हो
ये पूरे विश्व में गई स्वयं की
व्यवस्था शुरू हो गई जो कि
दामेरी का तथा भारत जैसे व्यापारिक
मार्ग की स्वयं शुरू हुई जिसे
दिशा सूचक यंत्र, जहाजों, तथा
फल-कारखानों में उपयुक्त होने
वाले नवीन मशीनों का विद्युत
हो सका।

→ प्रचलित आंदोलनों का अंत:-

भौगोलिक स्वयं के
कारण समाज में कई आंदोलनों
का अंत कर दिया। जैसे समुद्र



Date : _____

में व्यापार करने के लिए दिया।
सूचक ज्ञान का उपयोग करने
व्यापारी शान्तियों को दूर कर
दिया। तथा लोगों ने वैज्ञानिक
दृष्टिकोण का काफी विश्वास
हो पाया। जिससे वैज्ञानिकता
का काफी विश्वास हुआ।

इसलिए औद्योगिक सेवा
ने पूरे विश्व-परिदृश्य को ही
बदल दिया।